

प्रोषक,

रसायनज्ञ,
भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय,
उत्तराखण्ड, भोपालपानी देहरादून।

सेवा में,

✓ प्रभारी अधिकारी आई0टी0सैल,
भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय,
उत्तराखण्ड, भोपालपानी देहरादून।

IT Cell
30 दिसम्बर
अपलोड कर
09/01/2024

संख्या: 5343/रसा0 अनु0/आर0टी0आई0/भू0खनि0नि0/2023-24

दिनांक 09 जनवरी, 2024

विषय:- रिट पिटीशन (सिविल) संख्या 990/2021 किशन चन्द्र जैन बनाम यूनियन ऑफ इंडिया व अन्य में मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेश दिनांक 17.08.2023 के अनुपालन किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

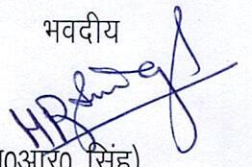
कृपया उपरोक्त विषयक अवगत कराना है कि संयुक्त निदेशक (नोडल अधिकारी सूचना), भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी देहरादून के पत्र संख्या 5169/भू0खनि0निदे0/आर0टी0आई0/अपील/विविध/2023-24 दिनांक 30 दिसम्बर 2023 एवं सहायक रसायनज्ञ/लोक सूचना अधिकारी भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी देहरादून के पत्र संख्या 5026/आर0टी0आई0/भू0खनि0नि0/2023-24 दिनांक 21 दिसम्बर 2023 के माध्यम से अवगत कराया गया है कि मुख्य सूचना आयुक्त सूचना का अधिकार आयोग उत्तराखण्ड की अध्यक्षता में राज्य के समस्त विभागों के विभागाध्यक्षों के साथ दिनांक 15.12.2023 को बैठक आयोजित की गयी थी। उक्त बैठक में राज्य के समस्त विभागों में आर0टी0आई0 हेतु सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा -4 (1) क, ख एवं ग के अनुपालनार्थ विभागीय वेबसाइट पर 31 दिसम्बर 2023 तक अपलोड कर सूचना आयुक्त कार्यालय को सूचित किये जाने हेतु लिये गये निर्णय के क्रम में आर0टी0आई0 एक्ट 2005 की धारा -4 (1) क, ख एवं ग भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी देहरादून से संयुक्त निदेशक (भूविज्ञान) को नोडल ऑफिसर नामित किया गया है एवं साथ ही राज्य के समस्त लोक प्राधिकारियों के द्वारा धारा-4 के तहत अधिक से अधिक सूचनाओं का स्व-प्रकटन कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार समय-समय पर जारी दिशा निर्देशों के अनुरूप किया जाने के सम्बन्ध में दिशा-निर्देश दिये गये हैं। उक्त के सम्बन्ध में समस्त लोक प्राधिकारियों के द्वारा धारा-4 के तहत अधिक से अधिक सूचनाओं का स्व-प्रकटन कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशानुसार सीधे अपने स्तर से सुनिश्चित करते हुए संयुक्त निदेशक (नोडल अधिकारी सूचना) को उपलब्ध कराने के आदेश दिये गये हैं।

IT Cell
10/1/24

अतः उपरोक्तानुसार दिये गये निर्देशों के क्रम में रसायन अनुभाग की सूचनाओं का स्व-प्रकटन कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार के द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशानुसार सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा -4 (1) क, ख एवं ग के अनुपालनार्थ विभागीय वैबसाइट पर अपलोड करवाने का कष्ट करें तथा कृत कार्यवाही से इस अनुभाग को सूचित करने का कष्ट करें।

- संलग्नक:-
1. खनिजों के रासायनिक विश्लेषण शुल्क सम्बन्धी शासनादेश दिनांक 15-05-2020।
 2. भारत सरकार खान मंत्रालय भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर की अधिसूचना दिनांक 16-10-2009।
 3. खान मंत्रालय भारतीय खान ब्यूरो, अधिसूचना नागपुर दिनांक 25-04-2018।
 4. Associated Minerals / Over Burden Material सम्बन्धी शासनादेश दिनांक 05-07-2023।
 5. Indian Minerals Yearbook 2017।
 6. सोपस्टोन खनिज की ब्राइटनेस के आधार पर ग्रेड निर्धारण सम्बन्धी शासनादेश दिनांक 03-01-2023 व दिनांक 09 जनवरी 2023।
 7. उत्तराखण्ड शासन, औद्योगिक विकास अनुभाग-1 की अधिसूचना दिनांक 22-11-2016।


भवदीय


(एच0आर0 सिंह)
रसायनज्ञ।

संख्या: /रसा0 अनु0/आर0टी0आई0/भू0खनि0नि0/2023-24 तददिनांकित।

प्रतिलिपि:- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. संयुक्त निदेशक (भूविज्ञान)/नोडल अधिकारी सूचना, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी देहरादून।
2. सहायक रसायनज्ञ/लोक सूचना अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी देहरादून।


(एच0आर0 सिंह)
रसायनज्ञ।

A-D

संलग्नक - 1 (28)

संख्या: 09 /VII-A-1/20/76 ख/2005

प्रेषक,

ओम प्रकाश,
अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड,
देहरादून।

औद्योगिक विकास (खनन) अनुभाग-1

विषय: सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी उद्यमियों को मुख्यालय में स्थापित रसायन प्रयोगशाला में खनिजों तथा पर्यावरणीय नमूनों के रसायनिक विश्लेषण की सुविधा मुहैया कराये जाने हेतु विश्लेषण की दरें स्वीकृत किये जाने के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या 1962/रसायन/वि0दरें/भू0खनि0ई0/2019-20 दिनांक 26.12.2019 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि राज्य के अपेक्षित राजस्व वृद्धि अर्जन, विभाग में उपलब्ध संसाधनों तथा मानव शक्ति के समुचित उपयोग के दृष्टिगत एवं खनिज विकास कार्यों को त्वरित गति प्रदान करने हेतु भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड देहरादून में स्थापित रसायन प्रयोगशाला की सुविधा निजी उद्यमियों को उपलब्ध कराये जाने हेतु राँक खनिजों हेतु पूर्व में निर्धारित विश्लेषण दरों को पुनरीक्षित किये जाने तथा पर्यावरणीय नमूनों के विश्लेषण हेतु विश्लेषण की दरों को निम्नानुसार प्रख्यापित किया जाने की एतद् द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है:-

Sr No	Type of sample	Description of job	Charges in Rs.	
			Government sector	Others
1.0	Ambient Air Monitoring	12. Sampling (upto each 8 hrs) for suspended particulate matter and gaseous pollutants.	3,150.00	3,500.00
		13. Sampling (24 hrs) for suspended particulate matter and gaseous pollutants.	9,450.00	10,500.00
		14. Sampling of volatile organic compounds (VOCs)/ Benzene Toluene Xylene (BTX)	3,150.00	3,500.00
		15. Sampling of poly aromatic Hydrocarbons (PAHs).	3,960.00	4,400.00
		16. Sampling of SO ₂ / NO ₂ / O ₃ / Ammonia	6,300.00	7,000.00
		17. Analysis of Ammonia	945.00	1,050.00
		18. Analysis of NO ₂	945.00	1,050.00
		19. Analysis of Ozone	1,620.00	1,800.00
		20. Particulate matter (PM _{2.5})	1,620.00	1,800.00
		21. Particulate matter (PM ₁₀)	945.00	1,050.00
		22. Analysis of SO ₂	945.00	1,050.00
				12. Benzene Toluene Xylene (BTX)
13. Poly Aromatic Hydrocarbons (PAHs)	4,500.00			5,000.00
4. First monitoring.	6,300.00			7,000.00
2.0	Noise Monitoring	5: Each subsequent monitoring within same premises.	3,150.00	3,500.00
		6. For 8 hrs continuous monitoring .	16,200.00	18,000.00
		26. Grab sampling/ sample /place	945.00	1,050.00
3.0	Soil sample	27. For additional grab sampling/ same place	480.00	530.00
		28. Analysis of Ammonia	480.00	530.00
		29. Analysis of Bicarbonate	315.00	350.00
		30. Analysis of Boron	630.00	700.00
		31. Analysis of calcium	240.00	270.00
		32. Analysis of calcium carbonate	550.00	620.00
		33. Analysis of chloride	240.00	270.00

		34. Analysis of electrical conductivity	160.00	175.00
		35. Analysis of magnesium	480.00	530.00
		36. Analysis of Gypsum requirement	550.00	620.00
		37. Analysis of nitrate	480.00	530.00
		38. Analysis of nitrite	480.00	530.00
		39. Analysis of nitrogen available	550.00	620.00
		40. Analysis of organic carbon/matter (Chemical method)	550.00	620.00
		41. Analysis of p ^H	160.00	175.00
		42. Analysis of phosphate (ortho)	480.00	530.00
		43. Analysis of phosphate (total)	630.00	700.00
		44. Analysis of soil moisture	160.00	175.00
		45. Analysis of sulphate	315.00	350.00
		46. Analysis of sulphur	550.00	620.00
		47. Analysis of Total Kjeldahl Nitrogen (TKN)	630.00	700.00
		48. Analysis of TOC	860.00	960.00
		49. Analysis of total water soluble salts	315.00	350.00
		50. Analysis of water holding capacity	160.00	175.00
z4.0	Water	51. Grab sampling/sample/place	865.00	960.00
		52. For every additional Grab sampling/same place	395.00	440.00
		53. Analysis of Color	160.00	180.00
		54. Analysis of pH	100.00	110.00
		55. Analysis of Conductivity	100.00	110.00
		56. Analysis of Odour	100.00	110.00
		57. Analysis of Acidity	160.00	180.00
		58. Analysis of Alkalinity	160.00	180.00
		59. Analysis of Ammonical Nitrogen	315.00	350.00
		60. Analysis of Bicarbonates	160.00	180.00
		61. Analysis of Bromide	160.00	180.00
		62. Analysis of calcium (titrimetric)	160.00	180.00
		63. Analysis of Carbon Dioxide	160.00	180.00
		64. Analysis of Carbonate	160.00	180.00
		65. Analysis of Chloride	160.00	180.00
		66. Analysis of Chlorine Demand	315.00	350.00
		67. Analysis of chlorine Residual	160.00	180.00
		68. Analysis of Detergent	315.00	350.00
		69. Analysis of fluoride	315.00	350.00
		70. Analysis of Hardness (calcium)	160.00	180.00
		71. Analysis of Hardness (total)	160.00	180.00
1.		72. Analysis of Nitrite nitrogen	315.00	350.00
		73. Analysis of Nitrate nitrogen	315.00	350.00
		74. Analysis of Percent sodium	945.00	1050.00
		75. Analysis of Phosphate (ortho)	315.00	350.00
		76. Analysis of Phosphate (total)	560.00	620.00
		77. Analysis of dissolve Oxygen	160.00	180.00
		78. Analysis of Setttable solids	160.00	180.00
		79. Analysis of Silica	315.00	350.00
		80. Analysis of Sulphate	240.00	270.00
		81. Analysis of Sulphide	315.00	350.00
		82. Analysis of Total kjeldahl nitrogen (TKN)	560.00	620.00
		83. Analysis of Urea Nitrogen	560.00	620.00
		84. Analysis of ations (Na ⁺ , NH ₄ ⁺ , K ⁺ , Ca ⁺² & Mg ⁺²) and Anions (F ⁻ , Br ⁻ , Cl ⁻ , NO ₃ ⁻ , NO ₂ ⁻ , SO ₄ ⁻² & PO ₄ ⁻³) in water sample using Ion Chromatoraph.	1,900.00	2,100.00 (For 12 Ions & Cations)
		85. Analysis of Aluminium	480.00	530.00
		86. Analysis of Antimony	480.00	530.00

		87. Analysis of Arsenic	480.00	530.00
		88. Analysis of Boron	480.00	530.00
		89. Analysis of Chromium Total	480.00	530.00
		90. Analysis of Copper	480.00	530.00
		91. Analysis of Iron	480.00	530.00
		92. Analysis of Zinc	480.00	530.00
		93. Analysis of Magnesium	315.00	350.00
		94. Analysis of Manganese	480.00	530.00
		95. Analysis of Mercury (Processing & Analysis)	1,260.00	1,400.00
		96. Analysis of Nickel	480.00	530.00
2.		97. Analysis of Selenium	480.00	530.00
		98. Analysis of Lead	480.00	530.00
		99. Biochemical Oxygen Demand (BOD)	950.00	1,050.00
		100. Chemical Oxygen Demand (COD)	560.00	620.00
5.0	Analysis of rock sample i- Carbonate mineral	Limestone, Dolomite, Marble & Magnesite:		
		1. first constituents	400.00	450.00
		2. Each subsequent constituents	180.00	200.00
	ii- Silicate Mineral	Clay, Felspaar & Soapstone		
		1. first constituents	450.00	500.00
		2. Each subsequent constituents	180.00	200.00
		3. Determination of brightness of soapstone	540.00	600.00
	iii- Silica Mineral	Silica sand, Quartz, Sandstone & Quartzite		
		1- first constituents	450.00	500.00
		2. Each subsequent constituents	180.00	200.00
	iv- Phosphate	Phosphate		
		1. first constituents	450.00	500.00
		2. Each subsequent constituents	180.00	200.00
	v- Galena	Galena		
		1. first constituents	450.00	500.00
		2. Each subsequent constituents	180.00	200.00

Note: 1.0 Transportation charge will be extra as an actual basis.

2.0 Rate are exclusive at service tax which will be charged extra as applicable.

3.0 15% flat discount will be given to those customer who bill be interested to determine more then 5 parameter in the each sample.

4.0 Test rate are subject to change from time to time.

2- सरकारी संस्थानों हेतु खनिजों तथा पर्यावरणीय नमूनों के विश्लेषण के लिए गैर सरकारी संस्थानों के सापेक्ष 10 प्रतिशत छूट प्रदान की जाती है तथा यदि कोई सरकारी/गैर सरकारी/निजी उद्यमी उक्त के अतिरिक्त अन्य खनिज नमूनों के रासायनिक विश्लेषण का कार्य कराना चाहता है तो ऐसी स्थिति में प्रयोगशाला में उपलब्ध संसाधनों के आधार पर विभागाध्यक्ष स्तर से वास्तविक अनुमोदित दरों पर करायी जाय।

अतः उपर्युक्त उल्लिखित विवरणानुसार निर्धारित दरों पर विभागीय रसायन प्रयोगशाला के विश्लेषण की सुविधा सरकारी, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी उद्यमियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

भवदीय,
(Signature)
(ओम प्रकाश)
अपर मुख्य सचिव

संख्या: (1) / VII-A-1 / 2020 तददिनांक

प्रतिलिपि: समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,

(एन०एस० हुंगरियाल)
संयुक्त सचिव।

TO BE PUBLISHED IN THE GAZETTE OF INDIA: EXTRAORDINARY
PART I-SECTION 1

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES
Nagpur, the 16th October 2009.

T-45031/CGBM/2007 (PF) - In exercise of the powers conferred on me under Rule 54 of the Mineral Conservation and Development Rules 1988 and in consultation with state governments and with previous approval of the Central Government, in the interest of systematic development of mineral deposits and conservation of minerals, I hereby notify the threshold values of minerals as indicated below and hereby direct for immediate compliance. These directives are in supersession of the earlier directives issued in this regard

THRESHOLD VALUE OF MINERALS FOR IMPLEMENTATION

Sl. No.	Mineral	Threshold Value
1.	APATITE & ROCK PHOSPHATE	P ₂ O ₅ - 5% (Min)
2.	BAUXITE	(i) For aluminous laterite: Al ₂ O ₃ 20 % (Min) (ii) For Bauxite : Al ₂ O ₃ - 30 % (Min) and silica (reactive) 5% (Max)
3.	BARYTES	BaSO ₄ : 50% (min) Specific gravity - 3.5 (min).
4.	CHROMITE	Cr ₂ O ₃ : 10% (Min)
5.	DOLOMITE	MgO : 15% (Min), SiO ₂ : 6% (Max) Total Insolubles : 12 % (Max)
6.	FLUORITE	CaF ₂ : 5% (Min)
7.	GRAPHITE	(i) For flaky variety : 2% Fixed Carbon (F.C) (Min) (ii) For Amorphous variety: 10% Fixed Carbon (F.C) (Min)
8.	IRON ORE:	(i) Hematitic iron ore : 45% Fe (Min) (ii) Hematitic Siliceous Ore (For ore of Goan Origin): 35% Fe (Min)

9.	LIMESTONE	(i) For limestone deposits in Chhattisgarh, Gujarat, Himachal Pradesh, Madhya Pradesh, Maharashtra Rajasthan, Uttarakhand & Uttar Pradesh : CaO - 34% (Min), MgO- 4% (Max) (ii) For limestone deposits of Andhra Pradesh, Jharkhand Karnataka, Kerala, Orissa &, Tamilnadu : CaO-35% (Min), MgO- 4% (Max), SiO ₂ - 18% (Max) & Alkalies- 0.5%(Max)
10	MAGNESITE	MgO : 35 % (Min) CaO- 3% (Max) Fe ₂ O ₃ - 3% (Max).
11.	MANGANESE ORE	Mn: 10% (Min)
12.	WOLLASTONITE	35 % (Min) wollastonite content

For implementation of aforesaid threshold values of minerals the following term is defined:

"Threshold Value of minerals" means limit prescribed by the Indian Bureau of Mines from time to time based on the beneficiability and or marketability of a mineral for a given region and a given time, below which a mineral obtained after mining can be discarded as waste.

The mine owners are directed to comply with following.

1. All the non-saleable/un-usable minerals/ores above the limit prescribed in the threshold values are required to be stacked separately in the area earmarked for the purpose.
2. The mineral/ore stock above the limit prescribed in the threshold values of minerals, should be properly maintained in a bound register indicating the quantity and quality of material stacked. The month wise inventory of such materials shall be updated.
3. The overburden and waste material obtained during mining operation shall not be allowed to be mixed with the materials above the threshold values of minerals stacked.

(C. S. GUNDEWAR)
CONTROLLER GENERAL
INDIAN BUREAU OF MINES



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 188]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 24, 2018/ज्येष्ठ 3, 1940

No. 188]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 24, 2018/JYAISTHA 3, 1940

खान मंत्रालय

(भारतीय खान ब्यूरो)

अधिसूचना

नागपुर, 25 अप्रैल, 2018

सं. सी-284/3/सी.एम.जी./2017.—1. भारतीय खान ब्यूरो (तत्पश्चात आईबीएम के रूप में संदर्भित) को खनिज संरक्षण एवं विकास नियमावली, 2017 के नियम 12 के उप-नियम 7 के अंतर्गत आवधिक रूप से खनिजों के देहरीमान मूल्य की समीक्षा का उत्तरदायित्व सौंपा गया है।

2. आईबीएम ने पूर्व में दिनांक 16 अक्टूबर 2009 के द्वारा अधिसूचित खनिजों के देहरीमान मूल्य के संशोधन के संबंध में हितधारकों एवं सामान्य जनता से दिनांक 24.3.2017 के अपने वेबसाइट में प्रकाशित सूचना द्वारा टिप्पणियां एवं सुझाव आमंत्रित किया था। इस सूचना के प्रत्युत्तर में हितधारकों से अनेक सुझाव और टिप्पणियां प्राप्त हुईं।

3. आईबीएम ने खनिजों के देहरीमान मूल्य के संशोधन के संबंध में हितधारकों द्वारा उठाए गए विभिन्न मुद्दों और चिंताओं पर विचार – विमर्श करने के लिए क्षेत्रीय स्तर पर पांच तकनीकी कार्यशालाएं और राष्ट्रीय स्तर पर एक कार्यशाला का संचालन किया।

4. हितधारकों के सुझावों और टिप्पणियों की सावधानीपूर्वक जांच के पश्चात इस उद्देश्य के लिए गठित विशेषज्ञ समिति द्वारा एवं समिति की सिफारिशों के आधार पर खनिज संरक्षण एवं विकास नियमावली, 2017 के नियम 12 के उप-नियम 6 के अंतर्गत निम्नलिखित खनिजों का देहरीमान मूल्य एतद् द्वारा अधिसूचित किया जाता है। यह अधिसूचना, फाइल सं. टी-45031/सीजीबीएम / 2007 (पीएफ), दिनांक 16 अक्टूबर 2009 द्वारा पूर्व में जारी अधिसूचना का अधिक्रमण करती है।

5. यह अधिसूचना, भारत की राजपत्र में इसकी अधिसूचना की तिथि से प्रभावी होगी।

6. खनिजों के देहरीमान मूल्य

क्र.सं.	खनिज	देहरीमान मूल्य
1	एपेटाइट एवं रॉक फॉस्फेट	P ₂ O ₅ -5% (न्यूनतम)
2	बॉक्साइट	(i) अल्युमिनियम युक्त लैटेराइट के लिए - Al ₂ O ₃ - 20% (न्यूनतम) (ii) बॉक्साइट के लिए - Al ₂ O ₃ - 30% (न्यूनतम) एवं SiO ₂ (कुल)-7% (अधिकतम)
3	क्रोमाइट	Cr ₂ O ₃ -10% (न्यूनतम)
4	फ्लोराइट	CaF ₂ -5% (न्यूनतम)
5	ग्रेफाइट	(i) फ्लेकी बेरायटी- 2% फिक्स्ड कार्बन (F.C) (न्यूनतम) (ii) अरूप बेरायटी हेतु - 10% फिक्स्ड कार्बन (F.C) (न्यूनतम)
6	लौह अयस्क	(i) हेमाटाइटिक अयस्क - 45% Fe (न्यूनतम) (ii) हेमाटाइटिक सिलिकायुक्त अयस्क - 35% Fe (न्यूनतम) (iii) मैग्नेटाइट अयस्क - 15% Fe (न्यूनतम)
7	कायनाइट एवं सिलिमनाइट	35% (न्यूनतम) कायनाइट / * सिलिमनाइट कन्टेंट * बीचसैण्ड के सिलिमनाइट पर लागू नहीं है
8	चूना पत्थर	CaO- 34% (न्यूनतम) एवं MgO-5% (अधिकतम)
9	मैग्नेसाइट	MgO -35% (न्यूनतम), CaO-3% (अधिकतम), Fe ₂ O ₃ - 3% (अधिकतम)
10	मैंगनीज अयस्क	Mn - 10% (न्यूनतम)
11	वोलेस्टोनाइट	35% (न्यूनतम) वोलेस्टोनाइट कन्टेंट

7. इस अधिसूचना के उद्देश्य के लिए -

- "खनिजों का देहरीमान मूल्य" का अर्थ खनिज (साक्ष्य और खनिज सामग्री) नियम, 2015 में दी गई परिभाषा के अनुसार होगा।
- "हेमाटाइटिक अयस्क" का अर्थ ऐसे अयस्क से है जिसमें आयरन की मौजूदगी मुख्यतः हेमाटाइट के रूप में हो।
- "हेमाटाइटिक सिलिकायुक्त अयस्क" का अर्थ ऐसे सिलिकायुक्त अयस्क से है जिसके गैंग में सिलिका की मौजूदगी मुख्यतः क्वार्ट्ज / चर्ट से है साथ ही ऐसे अयस्क से है जिसमें आयरन की मौजूदगी मुख्यतः हेमाटाइट के रूप में एवं अधीनस्थ के रूप में लघु मात्रा में मार्टिटाइज्ड मैग्नेटाइट / माघेमाइट हो।
- "मैग्नेटाइट अयस्क" का अर्थ ऐसे अयस्क से है जिसमें आयरन की मौजूदगी मुख्यतः मैग्नेटाइट के रूप में एवं अधीनस्थ के रूप में लघु मात्रा में मार्टिटाइज्ड मैग्नेटाइट / माघेमाइट हो।
- "कट ऑफ ग्रेड" का अर्थ निक्षेप हेतु खनिज के न्यूनतम आर्थिक एसे ग्रेड है जिसके नीचे वर्तमान बाजार उच्च - निच अथवा अंत उपयोग की गुणवत्ता में खनन प्रचालन अव्यवहार्य हो जाता है। यह बाजार की परिस्थितियों पर निर्भर करते हुए निक्षेप - निक्षेप से भिन्न होता है।

8. सभी पट्टाधारकों को एतद् द्वारा निम्नलिखित का अनुपालन करने का निर्देश दिया जाता है:-

- सभी संसाधनों का देहरीमान मूल्य तक मूल्यांकन किया जाएगा तथा देहरीमान मूल्य और कट ऑफ ग्रेड के बीच संसाधनों को अलग - अलग संसूचित किया जाएगा। तथापि देहरीमान मूल्य से नीचे संसाधनों के आकलन में कोई प्रतिबंध नहीं होगा, यदि ऐसे खनिज / अयस्क का प्रत्यक्ष रूप से अथवा सज्जीकरण के पश्चात बाजार है।
- देहरीमान मूल्य में निर्धारित सीमा से ऊपर तथा कट ऑफ ग्रेड से नीचे गैर - बिक्री योग्य / अनुपयोगी खनिजों / अयस्कों को अलग से चिन्हित क्षेत्र में जमा किया जाएगा।
- खनिजों के देहरीमान मूल्य में निर्धारित सीमा से ऊपर तथा कट ऑफ ग्रेड से नीचे खनिज / अयस्क स्टॉक की सूची का एक रजिस्टर में रख - रखाव किया जाएगा जिसमें जमा की गई सामग्री की मात्रा और गुणवत्ता को दर्शाया जाएगा। ऐसी वस्तुओं की माहवार सूची को अद्यतन किया जाता रहेगा।

1/135115/2023

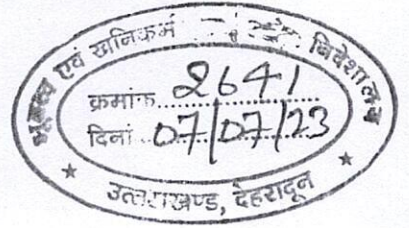
संख्या: 176 /VII-A-1/23-01(12)/2022

प्रेषक,

लक्ष्मण सिंह,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।



औद्योगिक विकास (खनन) अनुभाग-1 देहरादून : दिनांक 05 जुलाई, 2023

विषय:- राज्य में मुख्य खनिज तथा गौण खनिज की खनन संक्रियाओं के संचालन अवधि के दौरान पाये जाने वाले Associated Minerals/Over Burden Material का रासायनिक विश्लेषण विभागीय रसायन प्रयोगशाला में कराये जाने के उपरान्त निस्तारण किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र सं० 4729/खनिज वि०-रसायन/2021-22 दिनांक 21 फरवरी, 2022, 721/रसा०/भू०खनि०ई०/2022-23 दिनांक 24.05.

2022 एवं 4346/खनिज वि०-रसायन/2022-23 दिनांक 25.01.2023 द्वारा उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि "स्वस्थानें चट्टान (In-Situ) किस्म की गौण खनिज एवं मुख्य खनिज की खदानों से निकलने वाले Associated Minerals/Over Burden Material का निस्तारण निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन किये जाने की अनुमति प्रदान की जाती है-

1. पट्टाधारक के द्वारा Over Burden Material/Associated Mineral को Building Material के रूप में या अन्य प्रयोजन हेतु उपयोग में लाये जाने के लिये विभागीय रसायन प्रयोगशाला में रासायनिक विश्लेषण किया जाना आवश्यक होगा, जिसके लिये पट्टाधारक द्वारा Over Burden Material/Associated Mineral को Dumping yard में ढेर लगाकर एकत्रित किया जाएगा।
2. पट्टाधारक द्वारा विभागीय प्रयोगशाला में रासायनिक विश्लेषण कराये जाने के सम्बन्ध में सम्बन्धित जिला खान अधिकारी को प्रत्यावेदन प्रस्तुत करेगा, जिसमें 'Dumping yard' में एकत्रित कर रखे हुये Over Burden Material/Associated Mineral का विवरण (खनिज भण्डारित स्थल का नाम, खनिज की मात्रा व खनिज का नाम आदि) फोटोग्राफ सहित प्रस्तुत किया जाएगा।
3. जिला खान अधिकारी सम्बन्धित पट्टाधारक द्वारा दिये गये प्रत्यावेदन/आवेदन के क्रम में खदान के Dumping Yard में एकत्रित Over Burden

A.D
श्री 23

J.D (अ) / प्र. रसायनज्ञ

महोदय,

7-7-2023

कनिष्ठ सहायक

कृ० आ० कार्यालय

HR Singh

07-07-2023

5115/2023

Material/Associated Mineral का निरीक्षण व सत्यापन कर अपनी आख्या महानिदेशक/निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड को प्रस्तुत की जायेगी।

4. महानिदेशक/निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड की अनुमति के उपरान्त जिला खान अधिकारी द्वारा सम्बन्धित पट्टाधारक को Over Burden Material/Associated Mineral का विवरण देहरादून मुख्यालय स्थित विभागीय रसायन प्रयोगशाला में जांच कराये जाने हेतु आदेशित किया जायेगा।
5. तदोपरान्त विभाग द्वारा गठित समिति, जिसमें रसायन दल के अधिकारी (रसायनज्ञ/सहायक रसायनज्ञ/भू-रसायनज्ञ), जिला खान अधिकारी व जिला भूवैज्ञानिक तथा पट्टाधारक की उपस्थिति में Over Burden Material/Associated Mineral के कम से कम 10 खनिज नमूने एकत्रित किये जायेंगे तथा उक्त स्थल के Photograph व VideoGraphy भी की जायेगी।
6. इसके बाद सम्बन्धित पट्टाधारक द्वारा नमूनों का रासायनिक विश्लेषण हेतु शासनादेश संख्या 09/VII-A-1/20/76-ख/2005 दिनांक 15 मई, 2020 के द्वारा निर्धारित शुल्क विभागीय लेखा शीर्षक "0853-अलौह खनन तथा धातु कर्म उद्योग" में जमा किया जायेगा।
7. एकत्रित किये गये उपरोक्त खनिज नमूनों का विभागीय रसायन प्रयोगशाला में रासायनिक विश्लेषण करने के उपरान्त 15 दिन के अन्तर्गत उक्त रासायनिक विश्लेषण आख्या रसायनज्ञ द्वारा महानिदेशक/निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड को सौंपी जायेगी।
8. महानिदेशक/निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड द्वारा उक्त रासायनिक विश्लेषण आख्या के सम्बन्ध में पट्टाधारक को सूचित किया जायेगा।
9. पट्टाधारक द्वारा Over Burden Material/Associated Mineral की निर्धारित मात्रा की रॉयल्टी विभागीय लेखा शीर्षक में जमा कराने के उपरान्त महानिदेशक/निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड के द्वारा उपखनिज की नीलामी हेतु पट्टाधारक को अल्पावधि अनुज्ञा स्वीकृति प्रदान की जायेगी।
10. पट्टाधारक को यह भी लिखित रूप में विभाग को सूचित करना होगा कि उक्त Over Burden Material/Associated Mineral का End use क्या है अर्थात् सम्बन्धित पट्टाधारक द्वारा उक्त Over Burden Material/Associated Mineral को कहां पर बेचा जायेगा ?
11. रासायनिक विश्लेषण के आधार पर महानिदेशक/निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय, उत्तराखण्ड द्वारा भारतीय खान व्यूरो (खान मंत्रालय) नागपुर भारत

5115/2023

सरकार की अधिसूचना दिनांक 25.04.2018 व दिनांक 16.10.2009 के अनुसार Threshold Value of minerals के आधार पर यदि किसी Minerals की प्रतिशत मात्रा Threshold Value से कम है तो उसे Threshold Value of minerals के आधार पर Waste Material में Treat किया जा सकेगा, जिसका निस्तारण निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म निदेशालय द्वारा किया जाएगा तथा यदि किसी Associated Mineral/Over Burden Material की प्रतिशत मात्रा Threshold Value of minerals से अधिक है तो—

- A. Minor mineral होने की दशा में उसका निस्तारण महानिदेशक/निदेशक द्वारा किया जाना होगा।
- B. Major Mineral होने की दशा में उसका निस्तारण खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) 1957 (यथा समय संशोधित) तथा उक्त अधिसूचना के अधीन प्रख्यापित नियमावली के प्राविधानुसार भारत सरकार की अनुमति के उपरान्त शासन द्वारा अनुमति प्रदान की जायेगी।

Signed by ^{भवदीय} Laxman Singh
Date: 05-07-2023 15:54:41
(लक्ष्मण सिंह)
अपर सचिव



Indian Minerals Yearbook 2017

(Part- III : Mineral Reviews)

56th Edition

MINOR MINERALS 30.22 TALC, SOAPSTONE AND STEATITE

(ADVANCE RELEASE)

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF MINES
INDIAN BUREAU OF MINES

Indira Bhavan, Civil Lines,
NAGPUR - 440 001

PHONE/FAX NO. (0712) 2565471
PBX : (0712) 2562649, 2560544, 2560648
E-MAIL : cme@ibm.gov.in
Website: www.ibm.gov.in

March, 2018

30-22 Talc, Soapstone and Steatite

Talc is a hydrous magnesium silicate. In trade parlance, talc often includes: (i) the mineral talc in the form of flakes and fibres; (ii) steatite, the massive compact cryptocrystalline variety of high-grade talc; and (iii) soapstone, the massive talcose rock containing variable talc (usually 50%), which is soft and soapy in nature. Commercial talc may contain other minerals like quartz, calcite, dolomite, magnesite, serpentine, chlorite, tremolite and anthophyllite as impurities. The properties of talc that enables its use in a wide variety of applications are its extreme softness & smoothness, good lustre & sheen, high slip & lubricating property, low moisture content, ability to absorb oil & grease, chemical inertness, high fusion point, low electrical & heat conductivity, high dielectric strength, good retention for filler purposes, whiteness, good hiding power as pigment and high specific heat. In addition, it has the advantage of being relatively abundant. It can be easily mined and prepared for market. Rajasthan is the hub of activities related to talc mining, processing and trade. Talc, Steatite and soapstone has been declared as minor mineral wide notification no. SO 423 (E) dated 10.02.2015.

RESERVES/RESOURCES

As per NMI data base on the UNFC system, the total reserves/resources of talc/steatite/soapstone as on 1.4.2015 have been estimated at 316 million tonnes of which reserves and remaining resources are 106 million tonnes and 209 million tonnes, respectively. Substantial quantities of reserves/resources are established in Rajasthan (57%) and Uttarakhand (25%). The remaining 28% resources are in Andhra Pradesh, Bihar, Chhattisgarh, Gujarat, Jharkhand, Karnataka, Kerala, Maharashtra, Madhya Pradesh, Odisha, Sikkim, Tamil Nadu and Telangana by states. By grades, Paper & Textile grade accounts for about (22%) share in total resources followed by Insecticides (21%) and Cosmetics (9%). Resources of Ceramic and Paint grades are negligible. Others, Unclassified and Not-known grades account for about (48%) resources (Table-1).

EXPLORATION & DEVELOPMENT

The exploration & development details are given in the review on EXPLORATION & DEVELOPMENT in "GENERAL REVIEWS".

PRODUCTION & STOCKS

As per GOI notification S.O. 423(E) dated 10th February 2015, Steatite or Talc or Soapstone has been declared as minor minerals 'hence the data on production are not available with Indian Bureau of Mines and, therefore, have not been reflected in this edition of the title.

MINING, MARKETING & TRANSPORT

The deposits of talc are worked both by opencast and underground methods of mining. In India, almost all the mines are worked by opencast method except a few mines in Rajasthan and Andhra Pradesh, where underground method of mining is followed.

In opencast method, the overburden, being hard, is removed by drilling and blasting and the mineral, being soft, is mined and transported to the stacking places manually. In some opencast pits in Rajasthan, mechanical excavators are in use. Benches are formed along the strike on the hanging wall and footwall sides to work the deposit at depth. Most soapstone mines are worked manually. Some mines are semi-mechanised and a few are mechanised. In manually worked opencast mines, drilling is sometimes done by compressor-jackhammer unit. In semi-mechanised mines, drilling and face transport are by mechanical means but face loading, sorting, etc. are carried out manually. In a few mines, small capacity shovel and matching dumpers are deployed for handling waste. In most opencast mines, loading is done manually. In some larger mines, loading and transport are done by shovel and dumper combination. In a few mines, hand trimming is carried out on the surface. Mechanical haulage transports the material through the incline.

**Table - 1 : Reserves/Resources of Talc/Steatite/Soapstone as on 1.4.2015
(By Grades/States)**

Grade/States	Reserves				Remaining Resources				Total Resources (A+B)				
	Proved STD111	Probable		Feasibility STD211	Pre-feasibility		Indicated STD332	Inferred STD333		Reconnaissance STD334			
		STD121	STD122		STD221	STD222							
All India	72172	8067	26251	106490	18178	13020	32221	2994	8126	128620	6275	209434	315924
By Grades													
Paper & textile	21398	4401	6088	31887	5947	818	7170	575	430	15452	5890	36283	68170
Cosmetics	9094	361	2912	12368	1575	991	4287	1102	844	5986	146	14932	27300
Insecticide	17258	2193	7307	26759	6002	3205	11850	956	217	17066	40	39336	66095
Ceramic	131	10	64	205	17	46	93	-	35	160	17	367	572
Paint	52	300	242	594	57	27	92	-	-	135	30	341	935
Others	544	-	267	811	1314	3603	3539	346	100	2219	-	11122	11933
Unclassified	23359	801	9302	33462	2004	4246	4509	11	6444	78213	147	95573	129035
Not-known	336	-	67	404	1263	84	680	2	56	9388	5	11479	11883
By States													
Andhra Pradesh	1875	482	1001	3358	197	725	1804	184	369	3611	248	7137	10495
Bihar	-	-	-	-	-	-	-	-	-	149	-	149	149
Chhattisgarh	22	-	8	29	-	-	-	-	70	8	-	78	107
Gujarat	-	-	4	4	-	20	9	-	-	4	-	33	37
Jharkhand	336	-	83	419	-	-	54	2	4	243	16	319	739
Karnataka	46	53	182	280	58	78	251	11	208	1196	-	1800	2081
Kerala	-	-	-	-	-	-	-	-	-	14390	-	14390	14390
Madhya Pradesh	185	20	79	283	179	378	1609	-	1679	6107	-	9952	10235
Maharashtra	-	-	-	-	-	-	-	-	2565	14262	-	16827	16827
Odisha	-	2	8	10	106	89	193	151	-	278	-	817	827
Rajasthan	52812	2989	22189	77990	11249	6167	17498	1640	858	63411	151	100975	178965
Sikkim	-	-	-	-	-	-	60	-	-	-	-	60	60
Tamil Nadu	-	-	-	-	559	210	1762	27	-	553	-	3110	3110
Telangana	-	-	-	-	-	-	-	-	-	20	-	20	20
Uttarakhand	16896	4521	2698	24115	5831	5353	8982	978	2372	24388	5860	53765	77881

Figures rounded off.

TALC, SOAPSTONE AND STEATITE

In underground mining in Rajasthan and Andhra Pradesh, the deposit is reached from the surface through shafts or inclines depending upon the topography and the configuration of the deposit. Generally, inclines of 1.8 m x 1.8 m and 2 m x 2 m in section are developed from the surface through the soapstone mineralisation along the dip. Levels of 1.8 m x 1.8 m or 2 m x 2 m in cross-section are driven along the body at vertical intervals of 15 to 25 m. For development, holes are drilled with compressed-air operated jackhammers. Holes in soapstone are blasted with special gelatine using ordinary detonators and safety fuses. For transportation and hoisting from underground, tipping tubs and skip hoists are used.

Talc stacked at the mine site or in stacking yard is processed by hand sorting to remove impurities like calcite, dolomite, iron oxide and quartzite. After removal of impurities grading is done visually on the basis of its whiteness. Sometimes, talc is washed to remove fine dust and impurities. It is generally graded as Grade 'A', Grade 'B', Grade 'C' and Grade 'D'.

Grade A

It is known as the first quality material. The colour of the mineral is pure white to slightly green. The whiteness is in the range from 90 to 95%. It is used in producing pharmaceuticals and cosmetics.

Grade B

It is known as the second quality material. The colour is pale-greenish to white. The whiteness is in the range from 85 to 90%. It is used in producing superior-grade paper, textile and ceramics.

Grade C

It is known as the third quality material. The colour is light greenish-grey. Whiteness is in the range from 78 to 85%. It is used in paper (inferior grade), paint, rubber, plastic and detergent industries.

Grade D

It is known as the fourth quality or DDT grade. The material having whiteness of 78% or below is generally classified under this grade. The colour of the material is dark greenish-grey to reddish-green. The DDT grade material is considered to be of a very poor quality. Gradewise whiteness & their specification along with consuming industries are furnished in Table-2.

Table - 2: Gradewise Consuming Industries of Talc

Grade	Whiteness Percentage	Industry
Grade - A	90 to 95%	i) Pharmaceutical ii) Cosmetic
Grade - B	85 to 90%	i) Superior grade paper ii) Textile iii) Ceramic
Grade - C	78 to 85%	i) Paper inferior grade ii) Paint iii) Rubber iv) Plastic v) Detergent
Grade - D	78% or below	DDT

High Grade
Low Grade

The Industry's demand for fine powder is continuously prompting technological advancements to meet this purpose. The pulverisers/hammer mills developed and manufactured in India are capable of producing up to 700 mesh powder. The world market prefers fine powder which can be produced by adopting new processing techniques like micronising and sterilisation of the product.

Talc is crushed and ground by hammer mills and roller mills into powder and the size of talc particles is analysed by classifier. After pulverising/processing, the material is packed in 25 kg, 50 kg, 500 kg and 1,000 kg HDPE bags for internal use and laminated bags for export purpose. The pulverised talc from the processing plants and unprocessed talc from the mines are despatched through trucks and railway wagons to various consuming centres. The important loading stations for talc in the country are Maharana Pratap Nagar (Udaipur) and Kachhola in Rajasthan and Tanakpur in Uttarakhand. For exports, nearest ports are Kandla or Mumbai.

USES & SPECIFICATIONS

Talc in pulverised form is mostly used as a filler in paper, textile, rubber, insecticides and fertilizer industries. Pure talc after calcining, called 'Lava', is used in the manufacture of low-loss ceramic materials essential for radio, radar, television, etc. In roofing products, such as, tar, paper, asphalt shingles and roll roofing, talc acts as a fire retardant and increases weather resistance. Body and face powders (talcum powder) are prepared from the finest quality talc after adding deodorant and perfumes. Massive steatite when cut into panels is used for switchboards and acidproof tabletops in laboratory, laundry and kitchen sinks, in tubs and tanks as well as for lining alkali tanks in Paper Industry. Due to its high melting point (1630 °C), soapstone can be used in refractories and fire places. It is also quite useful in sculpturing.

Indian talc, especially mined in Rajasthan and Andhra Pradesh, is comparable with the best quality available in other countries. In the world market, talc, free from grit, having high whiteness and high degree of soapiness feeling is very much sought after in cosmetic, filler and weighing applications. Talc having more than 92% brightness, less than 1% Fe_2O_3 and less than 1.5% $CaCO_3$ is preferred for exports.

Soapstone powder is also used as parting agent in Foundry Industry. Parting agents are used for easy release of moulds and cores from pattern equipment and core boxes. BIS specification IS 8250-1988 (first revision reaffirmed, February 2014) prescribes use of off-white or cream-coloured material having a very smooth and slippery feel, passing completely through 75 microns IS-sieve. The material shall be predominantly magnesium silicate and chemical composition as agreed to between buyer and

purchaser compatible with naturally occurring soapstone. In Paint Industry, foliated, fibrous or lamellar material of 300 mesh and free from silica is used. Specifications of steatite (as French chalk) used in paper, textile, pyrotechnic and rubber industries are as per IS: 380-1978 (Second Revision, Reaffirmed 2003). Specifications for Ceramic Industry and actual user specifications for Insecticide Industry are as per IS : 10429-1982 (Reaffirmed 2001). BIS has prescribed specifications for use of talc in Cosmetic Industry vide IS: 1462-1985 (Third Revision, reaffirmed 2006).

POLICY

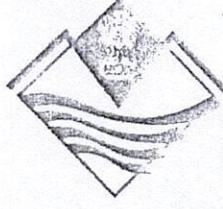
The Export-Import Policy incorporated in the Foreign Trade Policy, 2015-20, allows imports and exports of talc freely without restrictions under Heading no. 2526.

WORLD SCENARIO

World resources of talc are quite large. Principal producing countries are China, Brazil, Mexico, India, USA and France.

FUTURE OUTLOOK

The apparent domestic demand for talc-steatite was estimated to be 1.35 million tonnes by 2016-17 at 9% growth rate. India is one of the principal sources of 'lava' grade talc suited for specialised purposes like low ceramic materials and of swan shaped talc. Indian talc is considered to be the second best in the world next to Italian talc. The world market conditions for talc minerals are steadily growing, and world talc demand is forecast to increase over the next five years by 2.3% annually. India has large resource base and well-developed production facilities that utilise modern pulverising techniques. Concerted efforts through R & D advancements are necessary to make Indian talc suitable for world market.



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

देहरादून, मंगलवार, 03 जनवरी, 2023 ई०

पौष 13, 1944 शक संवत्

उत्तराखण्ड शासन

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

संख्या 1477 / VII-1 / 15 / 68-ख / 2015-I.C

देहरादून, 03 जनवरी, 2023

अधिसूचना

प० आ०-01

खान मंत्रालय, भारत सरकार, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर द्वारा प्रकाशित ईयर बुक 2018 के 52 वें संस्करण एवं Indian Minerals Year Book 2017, 56th edition 2018 द्वारा किये गये वर्गीकरण के आलोक में औद्योगिक विकास (खनन) विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या-1757 / VII-1 / 16 / 24-ख / 2007 दिनांक 22 नवम्बर, 2016 में उल्लिखित सौपस्टोन उपखनिज की उच्च श्रेणी तथा निम्न श्रेणी का निम्न तालिकानुसार वर्गीकरण किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्रम सं०	श्रेणी	Brightness%
1.	उच्च श्रेणी	Soapstone Brightness 85% and above
2.	निम्न श्रेणी	Soapstone Brightness Less than 85%

2- उपरोक्तानुसार किये गये उच्च श्रेणी एवं निम्न श्रेणी का वर्गीकरण, आदेश निर्गत होने की तिथि से प्रभावी रहेगा।

आज्ञा से,

डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय,

सचिव।



सरकारी गजट, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (ख)

(परिनियत आदेश)

देहरादून, मंगलवार, 03 जनवरी, 2023 ई0

पौष 13, 1944 शक सम्वत्

उत्तराखण्ड शासन

औद्योगिक विकास अनुभाग-1

संख्या 1578/VII-1/16/80-ख/2016-T.C

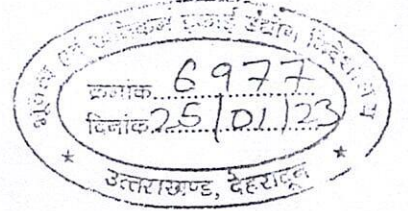
देहरादून, 03 जनवरी, 2023

अधिसूचना

प0 आ0-02

खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम-1957 की धारा-15 में प्रदत्त शक्तियों के अन्तर्गत BUREAU OF INDIAN STANDARDS, New Delhi के द्वारा निर्धारित किये गये बल्क डेन्सिटी एवं स्वैल फैक्टर के मानकों के अनुरूप निम्नवत् औसतन मानकों को राज्य में प्रभावी किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

Material	WEIGHT/MASS	
	Bulk Density (g/M ³)	Swell factor
1	2	3
Earth		
Dry	16	1.60
Moist	18	1.80
Gravel		
Loose	16	1.60
Rammed	20	2.00



उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास (खनन) अनुभाग-1
संख्या 39 /VII-1/2023/68ख/2015टीसी
देहरादून: दिनांक: 09 जनवरी, 2023

औद्योगिक विकास (खनन) विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या 1757/VII-1/16/24-ख/2007 दिनांक 22 नवम्बर, 2016 में उल्लिखित सोपस्टोन उपखनिज का उच्च श्रेणी तथा निम्न श्रेणी में वर्गीकरण किये जाने हेतु प्रख्यापित अधिसूचना संख्या 1477/VII-1/15/68-ख/2015 टीसी दिनांक 03 जनवरी, 2023 की प्रति निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव-मा0 मुख्यमंत्री को मा0 मुख्यमंत्री जी (मा0 विभागीय मंत्री जी) के संज्ञानार्थ।
2. वरिष्ठ प्रमुख निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ।
3. मण्डलायुक्त, कुमाऊँ मण्डल, नैनीताल/गढ़वाल मण्डल पौड़ी गढ़वाल।
4. महानिदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उत्तराखण्ड, देहरादून।
5. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
6. अपर निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुडकी को इस आशय से प्रेषित कि उक्त अधिसूचना को असाधारण गजट, विधायी परिशिष्ट भाग-4 में मुद्रित कराकर इसकी 200 प्रतियां औद्योगिक विकास (खनन) अनुभाग-1, उत्तराखण्ड शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
7. निदेशक, एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाइल।

A.D
25/1/23

श्रीमती रश्मि / C.Ao

[Signature]
25-1-23

आजा प्रसाद
[Signature]
30-01-2023

आज्ञा से,
[Signature]
(हनुमान प्रसाद तिवारी)
उप सचिव

श्रीमती रश्मि

Circulation हेतु प्रकाली खर्च तैयार कर प्रस्तुत करें।

[Signature]
30-01-2023

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या 1757/VII-1/15/68-ख/2015-T.C
देहरादून, 03 जनवरी, 2023

अधिसूचना

खान मंत्रालय, भारत सरकार, भारतीय खान ब्यूरो, नागपुर द्वारा प्रकाशित ईयर बुक 2013 के 52 वें संस्करण एवं Indian Minerals Year Book 2017, 56th edition 2018 द्वारा किये गये वर्गीकरण के आलोक में औद्योगिक विकास (खनन) विभाग, उत्तराखण्ड शासन की अधिसूचना संख्या-1757/VII-1/16/24-ख/2007 दिनांक 22 नवम्बर, 2016 में उल्लिखित सोपस्टोन उपखनिज की उच्च श्रेणी तथा निम्न श्रेणी का निम्न तालिकानुसार वर्गीकरण किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्रम सं०	श्रेणी	Brightness%
1.	उच्च श्रेणी	Soapstone Brightness 85% and above
2.	निम्न श्रेणी	Soapstone Brightness Less than 85%

2- उपरोक्तानुसार किये गये उच्च श्रेणी एवं निम्न श्रेणी का वर्गीकरण, आदेश निर्गत होने की तिथि से प्रभावी रहेगा।

आज्ञा से,
NA

(डॉ० पंकज कुमार पाण्डेय)
सचिव

5

54

संलग्नक-7

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 1757 /VII-1/16/24-ख/2007
देहरादून: दिनांक: 22 नवम्बर, 2016

अधिसूचना

शासन की अधिसूचना संख्या-211/VII-1/24-ख/2007 दिनांक 26 फरवरी, 2016 द्वारा प्रख्यापित उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार)(संशोधन) नियमावली, 2016 की प्रथम अनुसूची स्वामित्व (रायल्टी) की दर (नियम-21) स्तम्भ-2 के क्रमांक-16 में सोपस्टोन जोड़ते हुए निम्न श्रेणी (सोपस्टोन) की रायल्टी दर ₹ 350.00 प्रति टन तथा उच्च श्रेणी (सोपस्टोन) की रायल्टी ₹ 450.00 प्रति टन तथा द्वितीय अनुसूची अपरिहार्य भाटक (डेडरेन्ट) की दर (नियम-22) स्तम्भ-2 के क्रमांक-10 में सोपस्टोन जोड़ते हुए सोपस्टोन हेतु वार्षिक अपरिहार्य भाटक (डेडरेन्ट) की दर ₹ 5000.00 प्रति हैक्टेयर तथा तीन वर्ष के उपरान्त 20 प्रतिशत की वृद्धि (यदि राज्य सरकार द्वारा नई दरें न की गई हों), निर्धारित किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्तानुसार रायल्टी की संशोधित दरें, आदेश निर्गत होने की तिथि से लागू होंगी। इसका पूर्वागामी प्रभाव नहीं होगा।
3. उत्तराखण्ड उपखनिज (परिहार)(संशोधन) नियमावली, 2016 में उपरोक्तानुसार किये गये आंशिक संशोधन के उपरान्त नियमावली के शेष बिन्दु यथावत् रहेंगे।

आज्ञा से,
(शैलेश बगौली)
सचिव